भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1180
30 जुलाई, 2025 को उत्तर के लिए

त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र में मत्स्य पालन अवसंरचना विकास

1180 श्रीमती धर्मशीला गुप्ताः
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे :
श्री राजीब भट्टाचार्जी:
श्री दीपक प्रकाशः
क्या ***मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र में मत्स्य पालन अवसंरचना को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत क्या पहल कार्यान्वित की जा रही हैं;
(ख) त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र में मत्स्य पालन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने के लिए सरकार किस प्रकार कार्य कर रही है;
(ग) त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र की तर्ज पर जैविक मत्स्य समूहों का विस्तार करने की क्या योजना है; और
(घ) पीएमएमएसवाई के अंतर्गत सरकार त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र में मत्स्य सहकारी समितियों और स्टार्टअप्स को किस प्रकार समर्थन दे रही है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(श्री जॉर्ज कुरियन)

(क): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन,पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत, विगत पाँच वर्षों (2020-21 से 2024-25) के दौरान त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फिशरीस इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए 6761.80 करोड़ रुपए के केंद्रीय शेयर सहित कुल 17,210.46 करोड़ रुपए के परिव्यय से फिशरीस इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है। त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र राज्यों को स्वीकृत फिशरीस इन्फ्रास्ट्रक्चर का राज्यवार विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

(ख) प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना, मात्स्यिकी और संबद्ध गतिविधियों जैसे फिशिंग, जलकृषि, प्रसंस्करण, परिवहन और मारकेटिंग, तालाब तैयार करने आदि में महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजन करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। PMMSY की शुरुआत से त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र में अनुमानित रोजगार सृजन (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों) क्रमशः 142292, 78772 और 306708 है।

(ग): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने सिक्किम और मेघालय में ओरगेनिक फिशरीस क्लस्टर सहित देश में 34 फिशरीस क्लस्टर अधिसूचित किए हैं। त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र सहित अधिसूचित फिशरीस क्लस्टरों का राज्यवार विवरण अनुबंध-II में दिया गया है।

(घ): प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) अन्य बातों के साथ-साथ, मछुआरों और मत्स्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनकी बारगेनिंग पावर को बढ़ाने के लिए फिश फार्मर प्रोड्यूसर ओरगेनाईज़ेशन (FFPOs) की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। मत्स्यपालन विभाग ने मौजूदा 2000 मत्स्य सहकारी समितियों को FFPOs के रूप में गठित करने और 195 नए FFPOs के गठन को मंजूरी दे दी है। मत्स्यपालन विभाग ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (NFDB) के माध्यम से वर्ष 2023-24 से 2032-33 तक दस वर्षों की अवधि में विशाल जल निकायों/तटीय क्षेत्रों वाले अब तक कवर न किए गए पंचायतों/गांवों में दो चरणों में - 2023-24 से 2027-28 तक 6000 और 2028-29 से 2032-33 तक 6000 अर्थात कुल 12,000 मात्स्यिकी सहकारी समितियों के गठन के लिए कार्य योजना तैयार की है। इसके अतिरिक्त, PMMSY की एक उप-योजना- प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY) में 5500 प्राथमिक मत्स्य सहकारी समितियों को परामर्श, क्षमता निर्माण और आवश्यकता आधारित वित्तीय सहायता के साथ संगठित रूप प्रदान करने और सुदृढ़ीकरण में सहायता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत फिशरीस स्टार्टअप और उद्यमियों को सहायता प्रदान कर रही है - जिसका उद्देश्य मात्स्यिकी क्षेत्र में परिवर्तनकारी समाधान विकसित करने के लिए स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना और स्टार्टअप इंडिया (उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग) के माध्यम से सीड फंडिंग और इनक्यूबेशन के साथ स्टार्टअप को सहयोग देते हुए नवाचार, स्थायित्व (सस्टेनेबिलिटी) और दक्षता को बढ़ावा देना है। मात्स्यिकी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, उत्पादकता बढ़ाने, मारकेट लिंकेज को सुदृढ़ करने के लिए, मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने PMMSY योजना के उद्यमी मॉडल के तहत 31.22 करोड़ रुपए की सब्सिडी सहायता के साथ 39 परियोजना प्रस्तावों को स्वीकृति दी है।

****

अनुबंध- I

त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र में मात्स्यिकी अवसंरचना विकास के संबंध में 30 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए माननीय सांसद (राज्य सभा) श्रीमती धर्मशीला गुप्ता, डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे, श्री राजीब भट्टाचार्य, श्री दीपक प्रकाश द्वारा पूछे गए राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1180 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित विवरण :पीएमएमएसवाई के अंतर्गत त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र राज्यों को स्वीकृत मात्स्यिकी अवसंरचना (फिशरीस इनफ्रास्ट्रक्चर) का राज्यवार विवरण

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल निवेश (रुपए करोड़ में)	PMMSY के तहत सहायता प्राप्त मात्स्यिकी अवसंरचना परियोजनाएं/गतिविधियां
1	त्रिपुरा	259.74	एक्वा पार्क, फिश हैचरी, तालाबों का निर्माण, ओरनामेन्टल फिशरीस इकाइयां, री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लोक इकाइयां, फिश फ़ीड मिल्स, मत्स्य मूल्य संवर्धन इकाइयां, मत्स्य परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर।
2	बिहार	547.13	होलसेल फिश मारकेट, फिश ब्रूड बैंक, जलाशयों का एकीकृत विकास, एक्वेटिक रेफरल लैब, तालाबों का निर्माण, फिश हैचरी, ओरनामेन्टल फिशरीस यूनिट्स, री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लोक यूनिट्स, केज कल्चर, मनोरंजक मात्स्यिकी, आइस प्लांट / कोल्ड स्टोरेज, मत्स्य परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर, फिश फ़ीड मिल।
3	महाराष्ट्र	1462.92	फिशिंग हार्बर और फिश लैंडिंग केंद्र, अत्याधुनिक होल सेल फिश मारकेट, आइसप्लांट/कोल्ड स्टोरेज, मत्स्य परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर, फिश कियोस्क, फिश ब्रूड बैंक, फिश हैचरी, जलाशयों में केज कल्चर, री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लोक यूनिट्स, फिश फ़ीड मिल्स, डीप सी फिशिंग वेसल्स, ओरनामेंटल फिशरीस इकाइयां, सी वीड कल्टीवेशन रोग निदान केंद्र और गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाएं

अनुबंध- II

त्रिपुरा, बिहार और महाराष्ट्र में मात्स्यिकी अवसंरचना विकास के संबंध में 30 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए माननीय सांसद (राज्य सभा) श्रीमती धर्मशीला गुप्ता, डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे, श्री राजीब भट्टाचार्य, श्री दीपक प्रकाश द्वारा पूछे गए राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1180 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण : पीएमएमएसवाई के अंतर्गत अधिसूचित फिशरीस क्लस्टर का राज्यवार विवरण

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	क्लस्टर का नाम	अग्रणी जिला	भागीदार जिला
(i)	(iii)	(ii)	(iv)	(v)
1.	जम्मू और कश्मीर	कोल्डवाटर फिशरीस	अनंत नाग	कुलगाम और शोपियां
2.	हरियाणा	खारे जल में जलकृषि	सिरसा	रोहतक, हिसार और फतेहाबाद
3.	मध्य प्रदेश	जलाशय मात्स्यिकी	भोपाल (हलाली बांध)	खंडवा (इंदिरा सागर बांध)
4.	छत्तीसगढ	तिलापिया क्लस्टर	रायपुर	धमत्री और कांकेर
5.	बिहार	वैटलैंड फिशरीस	सिवान	गोपालगंज और छपरा
6.	उत्तर प्रदेश	पंगेसियस क्लस्टर	सिद्धार्थ नगर	महराजगंज और कबीर नगर, बस्ती
7.	ओडिशा	स्कैम्पी क्लस्टर	बालासोर	मयूरभंज और भद्रख
8.	आंध्र प्रदेश	खारे जल में जलकृषि	पश्चिम गोदावरी (भीमावरम)	कृष्णा, एल्लुरू और नेल्लोर
9.	कर्नाटक	सी केज क्लस्टर	कारवार	बडकल और कुम्ट्टा
10.	सिक्किम	ओरगेनिक फिशरीस क्लस्टर	सोरेंग	-
11.	झारखंड	पर्ल क्लस्टर	हजारीबाग	-
12.	तमिलनाडु	ओरनामेंटल फिशरीस क्लस्टर	मदुरै	-
13.	लक्षद्वीप द्वीप समूह	सी वीड क्लस्टर	-	-
14.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	टूना क्लस्टर	--	--
15.	तेलंगाना	मुर्रेल क्लस्टर	मंचेरियल	पेद्दापल्ली
16.	केरल	पर्ल स्पॉट क्लस्टर	कोल्लम	कोट्टायम
17.	गुजरात	फिशिंग हार्बर	वेरावल	मंगरोल फिशिंग हार्बर
18.	पंजाब	खारे जल में जलकृषि	मुक्तसर साहिब	फाजिल्का
19.	उत्तराखंड	कोल्डवाटर फिशरीस	पिथोरागढ़	चमोली बागेश्वर
20.	पश्चिम बंगाल	ड्राई फिश क्लस्टर	पूर्व मेदनीपुर	सागर द्वीप
21.	पुदुच्चेरी	फिशिंग हार्बर	कराईकल फिशिंग हार्बर	थेंगैथिटू फिशिंग हार्बर
22.	नगालैंड	इन्टीग्रेटेड फिश फारमिंग	मोकोकचुंग	चुमौकेदिमा

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	क्लस्टर का नाम	अग्रणी जिला	भागीदार जिला
(i)	(iii)	(ii)	(iv)	(v)
23.	मणिपुर	पेंगबा फिश क्लस्टर	बिश्नुपुर	लोकतक झील
24.	असम	रीवरराइन फिशरीस	गोलपारा	कामरूप और दारंग
25.	मिजोरम	पैडी कॉम फिश क्लस्टर	कोलासिब	सेरछिप
26.	अरुणाचल प्रदेश	जल-पर्यटन क्लस्टर	जीरो	तवांग, पश्चिम कामेंग और शि-योमी
27.	लद्दाख	कोल्डवाटर फिशरीस	कारगिल	लेह
28.	गोवा	मुहाना केज कल्चर	उत्तरी गोवा	दक्षिण गोवा
29.	हिमाचल प्रदेश	कोल्डवाटर फिशरीस	कुल्लू जिला	मंडी
30.	त्रिपुरा	पाब्दा फिशरीस क्लस्टर	उनाकोटी	उत्तरी त्रिपुरा
31.	राजस्थान	खारे जल की जलकृषि	चुरू	हनुमानगढ़
32.	महाराष्ट्र	मात्स्यिकी सहकारी समितियां	रायगढ़	रत्नागिरि
33.	दादर और नगर हवेली और दमन दीव	फिशिंग हार्बर	दीव (वनकबारा)	--
34.	मेघालय	ओरगेनिक फिश फार्मिंग	पश्चिमी खासी हिल्स	पूर्वी खासी हिल्स

*****